Association of International
Graduate Admissions Consultants

एक प्रभावी सिफारिश पत्र (LOR) कैसे लिखें

उद्देश्य: एक सिफारिश पत्र एक उम्मीदवार का एक स्नैपशॉट दिखाता है और यह किसी ऐसे व्यक्ति की ओर से आना चाहिए जो उम्मीदवार की पेशेवर योग्यता और व्यक्तिगत चरित्र का मूल्यांकन करने के योग्य है. । एक प्रभावी पत्र अनुभव को सत्यापित करता है, विशेषज्ञता की पुष्टि करता है, शक्तियों को परिभाषित करता है और साख बनाता है। यह किसी स्कूल को एक उम्मीदवार के चरित्र, व्यवहार, प्रवत्तियों और प्रभाव के बारे में और अधिक जानने में मदद करता है। यह उस बड़ी पहेली का एक टुकड़ा है जो स्कूलों को उम्मीदवारों के बारे में अच्छी जानकारी देता है । अपने सहयोगी की एक दमदार छवि प्रस्तुत कर आप उस उम्मीदवार को सबसे हट कर दिखा सकते हैं।

विषय वस्तु: सिफारिशें निश्चित सवाल पूछती हैं। आपका जवाब सम्पूर्ण और सवाल(लों) को सीधे संबोधित करने वाला होना चाहिए। : यदि सवाल नहीं दिए हैं तो निम्नलिखित विषयों में से कुछ या सभी को व्यक्त करने का प्रयास करें।

- उम्मीदवार के साथ आपका रिश्ता, जिसका अभिप्राय है कि आप और उम्मीदवार एक दूसरे को कबसे और किस क्षमता में जानते हैं।
- उम्मीदवार के कर्तव्य, जिम्मेदारियाँ, कार्य, परियोजनाएँ और उपलब्धियाँ।
- उम्मीदवार के ज्ञान, नेतृत्व कौशल, निर्णय, प्रतिबद्धता, पहल, रचनात्मकता, कुशलता या अन्य गुण जो आप ठोस उदाहरण से दर्शा सकते हैं।
- उम्मीदवार के प्रदर्शन की उसकी/उसके साथियों के साथ तुलना।
- उम्मीदवार प्रतिक्रिया कैसे ग्रहण करता है।
- उम्मीदवार ने समय के साथ कैसे विकास किया है।
- उम्मीदवार ने कैसे अवसरों को हासिल करके अपने लिए एक स्थान बनाया।

आपकी विषय वस्तु को मोटे तौर पर यह व्यक्त करना चाहिए कि उम्मीदवार ने आपके संगठन और अन्य लोगों पर कैसे प्रभाव डाला है। इसमें निश्चित उदाहरण शामिल होने चाहिए जो दिखाएँ कि उम्मीदवार ने कैसे अपने कार्यादेश पूरे किए, कैसे अपने परिणाम प्राप्त किए और ऐसी विशिष्ट क्षमताएँ प्रदर्शित की.हैं। उम्मीदवार के द्वारा किए गए कार्यों की सिर्फ एक सादी सूची मात्र देने से बचें क्योंकि यह जानकारी तो पहले से ही अन्य रूपों में प्रवेश समिति के पास उपलब्ध होती है।
यदि आप किसी ऐसे क्षेत्र से आते हैं जिसके बारे में प्रवेश समिति ज्यादा परिचित नहीं है तो उचित जानकारी देकर, इसे समझने में उनकी मदद करें कि आपके वातावरण में चीजें कैसे काम करती हैं, । यदि आपकी प्रतिक्रिया शब्दों की संख्या या स्थान की सीमाओं के कारण सीमित हो तब भी एक या दो ऐसे उदाहरण देने का प्रयास करें जो पाठकों को आपकी दुनिया समझने में मदद करेंगे की कैसे यह उम्मीदवार इस संदर्भ में दूसरों से श्रेष्ठ है ।

शैली: सबसे महत्वपूर्ण नियम है, " बताएँ नहीं, दिखाएँ"। अतिशयोक्तियों की एक सूची प्रशंसात्मक लग सकती है लेकिन यह उम्मीदवार के बारे में ठोस जानकारी नहीं देती है। ऐसे विशिष्ट उदाहरणों का उपयोग करें जो उम्मीदवार के विशेष गुणों और विशेषताओं को दर्शाते हैं। अपनी बात रोशन करने के लिए एक स्पष्ट, वर्णनात्मक शैली में और आवश्क्तानुसार कम से कम विवरणों के साथ लिखने का प्रयास करें। 'क्या है' को समझाने के लिए 'क्यों' और 'कैसे' पर चर्चा करें। उम्मीदवार के बारे में आपकी सोच के लिए ठोस प्रमाण प्रस्तुत करें। दर्शाएँ कि उनका व्यवहार कैसा होता है, वे क्या-क्या बहुत अच्छी तरह से करते हैं, उनमें आपने मे क्या कमजोरियाँ या सुधार के क्षेत्र देखें हैं, और वे अस्वीकृति या विफलता का सामना कैसे करते हैं?

मूल्यांकन: कई स्कूल सिफ़ारिश देने वाले व्यक्ति को उम्मीदवार को किसी निश्चित पैमाने पर रेटकरने का अनुरोध करती हैं। आप यह रेटिंग्स एक स्वच्छंद मानसिकता से दें। जब एक उम्मीदवार को एक सिफ़ारिश करने वाले से कोरी सर्वोच्च रेटिंग मिलती हैं तो सिफ़ारिश पत्र में प्रामाणिकता का अभाव प्रतीत होता है और उम्मीदवार के असली गुण उभर कर नहीं आते हैं। इसके अलावा, स्कूल को यह लगने लगता है कि क्या वास्तव में उम्मीदवार को उसकी जरूरत है भी या नहीं। यह हो सकता है कि जिस उम्मीदवार की आप सिफ़ारिश कर

last updated on 6/26/15

रहे हैं वह हर वर्ग में सर्वाधिक अंकों का सच में हकदार है। यदि ऐसा है तो अपनी विषय वस्तु में आपको इस शीर्ष रेटिंग प्राप्त करने के कारणों को शामिल करना चाहिए। आप यह भी बता सकते हैं कि आप सामान्यतः या कभी भी इस तरह के सम्पूर्ण नंबर नहीं देते हैं। यदि यह उम्मीदवार सही मायने में लाखों में एक है तो कृप्या अपने जबाबों में ऐसा जरूर दर्शाएँ।

सिफ़ारिश पत्र लेखन की ओर कैसे बढ़ें: पहले कुछ ऐसी जानकारियाँ एकत्रित करें कि उम्मीदवार ने आपकी संस्था पर कैसे प्रभाव डाला, उदाहरण के लिए, प्रदर्शन की समीक्षा या प्रासंगिक परियोजनाओं पर रिपोर्ट। इसके बाद सोचें और सवालों से अपना मार्गदर्शन करें। निष्पक्ष और ईमानदार रहें। अपने आप से सवाल पूछें जैसे 'इस व्यक्ति का प्रभाव महत्वपूर्ण क्यों है? यदि इसने आपको कल छोड़ दिया तो आपका संगठन कैसे प्रभावित होगा?''

आवेदक कैसे मदद कर सकता है? कुछ उम्मीदवार अपने निबंध दिखाकर एक उत्पादक बातचीत शुरू करना चाह सकते हैं। कुछ आप के लिए कार्यक्रम-विशिष्ट कैरियर के लक्ष्यों और महत्वपूर्ण कार्य उपलब्धियों और परिणामों का एक एक-पृष्ठ बिन्दुवार सारांश तैयार कर सकते हैं। कर्तव्यनिष्ठ उम्मीदवार आपको एक समीक्षा प्रस्तुत करेंगे कि कैसे उनकी उपलब्धियों या परिणाम उन विशिष्ट दक्षताओं या चरित्र लक्षणों का प्रदर्शन करते हैं जो वास्तव में लक्ष्य कार्यक्रम द्वारा वांछित हैं। उम्मीदवार ऐसी विशिष्ट घटनाओं और उदाहरणों का उल्लेख कर सकते हैं जो उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डालने में मदद करेंगे । यदि आपको उम्मीदवार से ऐसी जानकारी प्राप्त होती है तो इसे अपने स्वयं के दृष्टिकोणों और अंतर्दृष्टियों के साथ मिश्रित करना सुनिश्चित करें। यदि आप केवल उम्मीदवार के बिन्दुओं का ही उपयोग करते हैं तो सिफ़ारिश पत्र बासी लग सकता है और पाठक उम्मीदवार को आपकी आंखों के माध्यम से देखने के अवसर से वंचित रह जाएगा।

क्या आवेदक को स्वयं अपना सिफ़ारिश पत्र लिखना चाहिए? प्रवेश समितियों उम्मीद करतीं हैं कि पत्र आप स्वयं लिखेंगे और किसी और को यह कार्य नहीं सौंपेंगे। वे आपके विचार आपके शब्दों में पढ़ना चाहते हैं। यदि आप आवेदक को अपनी ओर से पत्र लिखने के लिए कहते हैं तो आवेदक के प्रवेश के अवसरों को बड़ा नुकसान पहुँच सकता है। आमतौर पर आवेदक द्वारा लिखे गए पत्रों को, तब भी जबकि सिफ़ारिश करने वाले व्यक्ति ने स्वयं उससे अनुरोध किया हो, स्कूल की सम्मान संहिता का उल्लंघन माना जाता है और इसका परिणाम अस्वीकारता हो सकता है। अपने पत्र को लिखने के लिए आवश्यक समय जरूर निकाले।

गैर अंग्रेजी बोलने वाले: स्कूल ऐसे उम्मीदवार चाहते हैं जिन्हे अंतरराष्ट्रीय अनुभव हो और जिसका अक्सर मतलब होता है कि उम्मीदवारों की सिफ़ारिश करने वाला व्यक्ति भी अंग्रेजी पहली भाषा के रूप में नहीं बोल सकता है। एक सिफ़ारिश पत्र में सिफ़ारिश करने वाले व्यक्ति की अंग्रेजी कोई बड़ा मुद्दा नहीं होती है। एक गैर अंग्रेजी वक्ता का सिफ़ारिश पत्र भी बहुत सी जानकारियाँ और अंतर्दृष्टियाँ दे सकता है। स्कूलों को पता होता है कि कैसे किसी पत्र की विषय वस्तु का मूल्यांकन किया जाए न कि यह देखा जाए कि पत्र कितनी अच्छी अंग्रेजी में लिखा गया है। इसलिए, आप अपनी मातृभाषा में पत्र लिखकर उसका अनुवाद भी प्राप्त कर सकते हैं।

यदि आप एक सिफ़ारिश पत्र नहीं देना चाहते हैं, तब क्या? आवेदक के साथ दोनों, सकारात्मक और नकारात्मक बिंदुओं के बारे में, जो आप बताना चाहते हैं, एक खुली बातचीत करें। इसके बाद उम्मीदवार के साथ मिलकर यह निर्णय लें कि क्या आप सिफ़ारिश देने के लिए एक उपयुक्त व्यक्ति हैं, और यदि नहीं, तो कौन से अन्य संभावित व्यक्तियों के पास वह सिफ़ारिश के लिए जा सकता है।

last updated on 6/26/15